पाठ्यचर्या

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा
उच्चतर माध्यमिक स्तर

तर्क

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) को दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के रूप में स्वीकार किया जाता है जिसका उद्देश्य बच्चों के आजीवन सीखने और विकास के लिए एक मजबूत नींव विकसित करने में मदद करना है। यह शिक्षा की सीढ़ी में पहले कदम के रूप में भी पहचाना जाता है, जो अगर ठीक रूप से किया गया, तो बच्चों को प्राथमिक स्कूली शिक्षा के लिए बेहतर तैयार करता है और सीखने को बढ़ावा देता है। ईसीसीई 2013 की राष्ट्रीय नीति में ईसीसीई के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। यह नीति बढ़ती जागरूकता और बच्चों के प्रारंभिक वर्षों के महत्व पर ध्यान देने से उभरी है। गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई से तात्पर्य है कार्यक्रमों में पर्याप्त गुणवत्ता सुनिश्चित करना। विशेष रूप से विकास और बच्चे तथा उम्र के अनुकूल बनाने के दृष्टिकोण से इस पाठ्यक्रम को छोटे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और विकास संबंधी आवश्यकताओं को समझने के लिए आवश्यक संवेदनशीलता एवं विभिन्न संदर्भों में भिन्नता के प्रति उनको उन्मुख करने के लिए डिजाइन किया है। यह समग्र विकास के लिए बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा की आवश्यक भूमिका को भी संबोधित करता है। शिक्षार्थी, संवेदनशील वातावरण प्रदान के लिए आवश्यक उचित तरीकों तथा साथ ही बच्चों को स्तर संबंधी जरूरतों को पूरा करने के तरीकों को भी सीखेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को विविधता को महत्व देने के लिए तैयार करना और समावेशी शिक्षा के महत्व को पहचानना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को निम्नलिखित की समझ की क्षमता विकसित करना है–

- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा और उसका महत्व।
- बच्चों के अधिकार और विकासात्मक जरूरतें।
- बच्चों की पोषण, अच्छे स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा और विकास की आवश्यकता।
- प्रारंभिक वर्षों में देखभाल के उचित तरीके।
- प्रारंभिक बाल्यावस्था में खेल और उद्दीपन।
- बाल विकास और शिक्षण में आपस की निर्भरता।
- ईसीसीई में मुद्दे और इन मुद्दों के समाधान करने के लिए दिशा-निर्देश।
- स्कूल की तत्परता और सुगम पारगमन की अवधारणा और महत्व।
- भारतीय सामाजिक ताने-बाने और बहुत-सी सह-अस्तित्व सामाजिक यर्थाथताओं में भाषा और सांस्कृतिक विविधता।
- एक समावेशी कक्षा की आवश्यकताएँ।
- एक समावेशी कक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपर्युक्त गतिविधियाँ; तथा
- एक प्रभावी ईसीसीई कार्यक्रम के लिए माता-पिता, समुदाय और अन्य भागीदारों के साथ सार्थक संबंध बनाना।

पाठ्यक्रम संरचना

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर ईसीसीई के पाठ्यक्रम में सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों घटक शामिल हैं। अनुशिक्षक अंकित मूल्यांकन कार्य भी पाठ्यक्रम का हिस्सा है।

सैद्धान्तिक घटक (Theory Component)

सैद्धान्तिक घटक में 5 मॉडयूल और 22 पाठ शामिल हैं। स्व अध्ययन सामग्री को दो भागों में विभाजित किया गया है: पुस्तक-1 में 2 मॉड्यूल और 9 पाठ शामिल हैं तथा पुस्तक-2 में 3 मॉड्यूल और 13 पाठ शामिल हैं।

मॉड्यूल की संख्या, सुझाए गए अध्ययन के घंटे और प्रत्येक मॉड्यूल के लिए आवंटित अंक निम्नलिखित हैं:-

मॉड्यूल संख्या	*मॉड्यूल का नाम*	*अध्ययन के घंटे*	*अंक*
1	प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा	50	20
2	बाल विकास के सिद्धांत	50	15
3	पाठ्यक्रम, मान्यताएँ और प्रगति	65	25
4	ईसीसीई केंद्र का संगठन एवं प्रबंधन	45	10
5	विविधता और समावेशन	30	10
	कुल	240	80

प्रयोगात्मक घटक

इस ईसीसीई पाठ्यक्रम में प्रयोग अनिवार्य घटक है। यह सत्रांत परीक्षा में 20 अंकों का अधिभार देता है। शिक्षार्थियों द्वारा की जाने वाली सुझाव हेतु गतिविधियों को एक सूची सिद्धांत पाठ्यक्रम के अंत में दी गई है।

अनुशिक्षक अंकित मूल्यांकन कार्य (टीएमए)

सत्रांत परीक्षा में अनुशिक्षक अंकित मूल्यांकन कार्य में सैद्धान्तिक अंकों का 20% अधिभार होता है।

पाठ्यक्रम विवरण

मॉड्यूल 1 : प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा

अंक-20 **घंटे : 50**

दृष्टिकोण

इस मॉड्यूल का उद्देश्य ईसीसीई के बारे में सैद्धांतिक ज्ञान एवं ईसीसीई का महत्व प्रदान करना है और ईसीसीई के आवश्यक घटक इस बात पर ध्यान केंद्रित है कि कैसे भारतीय और वैश्विक दोनों संदर्भों में ईसीसीई के प्रति प्रासंगिकता और जागरूकता विकसित हुई है। शिक्षार्थी भारत में बचपन को प्रभावित करने वाले कारकों, पोषण और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता और छोटे बच्चों की आवश्यकताओं और अधिकारों के बारे में भी जानेंगे। ईसीसीई के लिए महत्वपूर्ण सरकारी पहलों, योजनाओं और नीतियों पर संक्षिप्त चर्चा से शिक्षार्थियों को राज्य और नागरिक समाज की भूमिका के

बारे में पता चलेगा। शिक्षाविदों की जागरूकता और रूचि के निर्माण के लिए ईसीसीई से संबंधित मुद्दों और चिंताओं के बारे में समाधान प्रस्तुत किया गया है।

पाठ-1 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा : अर्थ और महत्व

ईसीसीई का अर्थ और महत्व

ईसीसीई के उद्देश्य

ईसीसीई के घटक

प्रारंभिक हस्तक्षेप

भारतीय संदर्भ में ईसीसीई

वैश्विक संदर्भ में ईसीसीई

पाठ-2 भारत में प्रारंभिक बाल्यावस्था

प्रारंभिक बाल्यावस्था

बच्चे और बाल्यावस्था

प्रारंभिक बाल्यावस्था का आगामी जीवन पर प्रभाव

प्रारंभिक बाल्यावस्था को प्रभावित करने वाले कारक

बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक

बच्चों के संदर्भ में भारतीय संविधान और प्रावधान

भारत में बच्चों के पालन-पोषण संबंधी गतिविधियाँ

पाठ-3 बच्चों की आवश्यकताएँ एवं अधिकार

बच्चों की आवश्यकताएँ

बच्चों के अधिकार

बच्चों के अधिकारों की प्राप्ति हेतु सरकारी अधिनियम तथा योजनाएँ

पाठ-4 भारत में ईसीसीई नीतियाँ, योजनाएँ तथा कार्यक्रम

ईसीसीई के लिए सरकारी पहल की आवश्यकता

नीतियाँ एवं योजनाएँ

कार्यक्रम एवं योजनाएँ

पाठ्यचर्या की रूपरेखाएँ

ईसीसीई के विभिन्न सेवा प्रदाता

पाठ-5 ईसीसीई के मुद्दे एवं दिशा-निर्देश

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के मुद्दे

मुद्दों के निराकरण हेतु दिशा-निर्देश

मॉड्यूल 2 : बाल विकास के सिद्धांत

अंक : 15 **घंटे : 50**

दृष्टिकोण

यह मॉड्यूल प्रारंभिक वर्षों के दौरान विकास की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए बाल विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करता है। वृद्धि और विकास की प्रकृति के बारे में शिक्षार्थियों को सूचित करने के लिए विकास के क्षेत्र और विकास के पड़ावों पर विस्तृत चर्चा की गई है। विकास के चरणों को दो पाठों में आयोजित किया गया- जन्म से पूर्व (प्रीनेटल) से तीन वर्ष तक और तीन वर्ष से आठ साल तक जिससे विभिन्न चरणों के दौरान जरूरी क्षेत्रों को उजागर किया जा सके। मॉड्यूल शिक्षार्थियों को छोटे बच्चों के विकास की विशेषताओं की समझ प्रदान करता है।

पाठ-6 : वृद्धि और विकास

वृद्धि क्या है?

विकास क्या है?

वृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले कारक

पाठ-7 : विकास के आयाम

विकास के आयाम

- शारीरिक और गत्यात्मक विकास
- सामाजिक-संवेगात्मक विकास
- नैतिक विकास
- संज्ञानात्मक विकास
- भाषायी विकास, संप्रेषण और निर्गत साक्षरता

पाठ-8 : बाल विकास की अवस्थाएँ : प्रसव पूर्व तथा जन्म से तीन वर्ष तक

गर्भावस्था के दौरान बच्चे का विकास

नवजात शिशु की विशेषताएँ

शैशवावस्था में वृद्धि और विकास

टॉडलर अवस्था में वृद्धि और विकास

पाठ-9 : बाल विकास की अवस्थाएँ : 3 वर्ष से 6 वर्ष तक, 6 वर्ष से 8 वर्ष तक

3-6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों का विकास

6-8 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों का विकास

बच्चों के विकास में खेल का महत्व

मॉड्यूल 3 : पाठ्यक्रम, मान्यताएँ एवं प्रगति

अंक : 25 **घंटे : 65**

दृष्टिकोण

यह मॉड्यूल शिक्षार्थियों को बच्चों के पारस्परिक व्यवहार के द्वारा उनके वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए उन्मुख करता है। यह मॉड्यूल शिशुओं की विशिष्ट आवश्यकताओं से भी अवगत कराता है जब शिशु समूह देखभाल में होते हैं।

समूह सेटिंग्स में बच्चों के लिए एक संवेदनशील वातावरण बनाकर एक समूह में प्रत्येक बच्चे को संबोधित करने के लिए विशेष सुविधाओं की आवश्यकता होती है। इस तरह के परस्पर मेलमिलाप एक पाठ्यक्रम शिक्षाशास्त्र के सिद्धांत तथा प्रगति की समीक्षा के लिए बने अभ्यास क्रियाओं पर आधारित होते हैं। ये आयाम पहले दो वर्षों में प्रोत्साहन, उत्साह और संवादिक निर्विष्टियों पर जोर देने के साथ शिशु देखभाल में गुणवत्ता प्रदान करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह खेल और अधिगम में विकसित होता है जो पूर्ण बाल्यावस्था शिक्षा के लिए आवश्यक है। यह मॉड्यूल सीखने के तरीकों को विस्तृत करता है जो सीखने वालों की समझ को बढ़ाता है और इस प्रकार बच्चे खेल, कला, संगीत और संचार जैसी बाल सुलभ तकनीकों का उपयोग करके अपनी समझ को बढ़ाते हैं। शिक्षार्थी बच्चों के अध्ययन की विधियों में बच्चों की प्रगति और विकासात्मक प्रगति पर भी ध्यान देना सीखेंगे।

पाठ-10 प्रारम्भिक वर्षों में बच्चों की देखभाल

तीन वर्ष से कम आयु के बच्चों की देखभाल के सिद्धांत

शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति का महत्व

विकास के लिए संवेदी उद्दीपन

प्रारंभिक वर्ष आगामी अधिगम का आधार : गुणवत्तापरक देखभाल के तरीके

- अभिरूचि, जिज्ञासा और प्रेरणा
- संबंध बनाना
- खेल एवं आनंदमयी अन्तर्क्रिया

देखभाल हेतु वातावरण के प्रकार : पारिवारिक और गैर पारिवारिक

देखभालकर्ता (अभिभावक एवं अध्यापक) और बच्चे

पाठ-11 : खेल और प्रारम्भिक अधिगम

खेलों की परिभाषा

खेल का महत्व

खेलों के प्रकार

खेल कैसे विकसित होते हैं?

खेल और प्रारंभिक अधिगम के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करना

सभी आयामों के लिए खेल आधारित गतिविधियाँ

बच्चों के खेलों में शिक्षक की भूमिका

पाठ-12 : विकासोचित ईसीसीई पाठ्यचर्या की योजना

आयु तथा विकासोचित ईसीसीई कार्यक्रम का अर्थ और महत्व

ईसीसीई पाठ्यचर्या की प्रासंगिकता की आवश्यकता एवं महत्व

गुणवत्तापरक ईसीसीई योजना के सिद्धान्त

ईसीसीई कार्यक्रम की योजना एवं रूपरेखा

विषयवस्तु (थीम) आधारित ईसीसीई कार्यक्रम

समावेशी प्री-स्कूल में विविधता एवं योजना की सराहना करना

पाठ-13 : बच्चे किस प्रकार सीखते हैं? (प्रारंभिक अधिगम एवं शिक्षण)

बच्चों के विकास एवं अधिगम के सूचक

बच्चे किस प्रकार सीखते हैं

विकास के आयाम अथवा सीखने के क्षेत्र

अधिगम के आयामों की परस्परिक निर्भरता

अधिगम को प्रोत्साहन

विभिन्न आयामों/क्षेत्रों के लिए विकासोचित गतिविधियों का नियोजन

विकासात्मक बदलावों की पहचान और हस्तक्षेप

पाठ 14 : बाल-अध्ययन के तरीके

मानव विकास का अध्ययन एवं अनुसंधान

अध्ययन के उपकरण और तकनीक

- उपकरण का चयन
- अवलोकन

साक्षात्कार

प्रश्नावली

संचार के रूप में कला

बच्चों की प्रगति का प्रतिवेदन

- उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड
- संविभाग (पोर्टफोलियो)

माड्यूल 4 ईसीसीई केन्द्र की स्थापना और प्रबंधन

अंक : 10 **घंटे : 45**

दृष्टिकोण

यह माड्यूल ईसीसीई केन्द्र की दिन प्रतिदिन की बुनियादी जरूरतों की सूचनाएँ उपलब्ध कराता है। यह इस बात का भी ध्यान रखता है कि केन्द्र समावेशी और बच्चों के अनुकूल हो। यह प्रशासनिक सिद्धान्तों पर विचार करने के साथ-साथ केन्द्र

के समुचित संचालन के प्रबंधन पर भी चर्चा करता है। इस अच्छे ईसीसीई केन्द्र के शिक्षकों की कुशलता, अभिभावकों और समाज के लोगों की रूचि और भागीदारी को एक अच्छे ईसीसीई केन्द्र को ज्ञान का व्यापक केन्द्र बनाने के लिए शामिल किया गया है।

पाठ-15 : ईसीसीई केन्द्र की रूपरेखा (प्रोफाइल)

स्थान की पहचान

बुनियादी ढ़ाँचा/भौतिक सुविधाएँ

उपकरण और अधिगम सामग्री

ईसीसीई कर्मियों की नियुक्ति

ईसीसीई में भागीदार एवं हितधारक

पाठ-16 : ईसीसीई केन्द्र का प्रशासन और प्रबंधन

प्रशासन और प्रबंधन का अर्थ

ईसीसीई केन्द्र के संबंध में प्रशासन और प्रबंधन

ईसीसीई केन्द्र के संदर्भ में पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन तथा निरीक्षण

रिकॉर्ड अथवा अभिलेखों की आवश्यकता एवं महत्व तथा ईसीसीई केंद्र में रखे जाने वाले रिकॉर्ड के प्रकार

संसाधनों की गतिशीलता एवं उपयोगिता

लेखा एवं लेखा परीक्षा

पाठ-17 : ईसीसीई शिक्षक के गुण एवं भूमिका

ईसीसीई शिक्षक के गुण

ईसीसीई शिक्षक की भूमिका एवं उत्तरदायित्व

पाठ-18 : अभिभावकों एवं समुदाय की सहभागिता

ईसीसीई के प्रति माता-पिता तथा समुदाय की जागरुकता की आवश्यकता एवं महत्व

ईसीसीई केंद्र के संचालन में अभिभावकों एवं समुदाय की भूमिका (सहभागिता)

ईसीसीई कार्यक्रम में अभिभावकों और समुदाय की सहभागिता से लाभ

ईसीसीई केंद्र/प्री-स्कूल के संचालन में माता-पिता तथा समुदाय के प्रभावी सहभागिता के तरीके

समुदाय का स्वत्व एवं सहभागिता

माता-पिता एवं समुदाय की सक्रिय सहभागिता के लिए कुछ गतिविधियाँ

पाठ-19 : सुगम पारगमन

पारगमन को समझना

तत्परता की समझ

अभिभावकों, स्कूलों, शिक्षकों एवं अन्य देखभालकर्ताओं की भूमिका

रूकूल तत्परता के विभिन्न घटकों हेतु गतिविधियों की योजना एवं रूपरेखा

मॉड्यूल-5 विविधता और समावेशन

अंक-10 **घंटे : 30**

दृष्टिकोण

हमारे सामाजिक तंत्र में विविधता सन्निहित है। यह विविधता अनेक भाषाओं, धर्मों, भौगोलिक विविधताओं के अनुसार हमारी पारिस्थितकी के अनुरूप दृष्टिगोचर होती है। आर्थिक स्तर पर बहुत अधिक अन्तर होने के कारण समाज में संसाधनों के दोहन पर गहरा असर देखने को मिलता है। यह माड्यूल सामाजिक भिन्नताओं के प्रति जागरूकता पैदा करता है और साथ ही इस बात का भी ख्याल रखता है कि कक्षा में विभिन्न क्षमताओं वाले बच्चों को किस प्रकार से शिक्षा प्रदान की जाए, जिससे कमजोर और समर्थ प्रतिभाशाली और कम प्रतिभाशाली बच्चों को समान रूप से शिक्षित किया जा सके। यह माड्यूल समावेशी विचारधारा के साथ-साथ समावेशी क्लास रूप (कक्षा) की अवधारणा को भी प्रोत्साहित करता है।

पाठ-20 : विविधता की समझ

विविधता की समझ

विविधता को बढ़ावा देने वाले कारक और उनके अधिगम संबंधी निहितार्थ

मातृभाषा और विद्यालयी भाषा के मध्य विभाजन

बच्चों पर लैंगिक और जातिगत रूढ़ियों का प्रभाव

अधिगम और खेल में सभी की लिंग आधारित समतामूलक सहभागिता को प्रोत्साहन

पाठ-21 : समावेशन : अवधारणा एवं मान्यताएँ

समावेशी शिक्षा : अवधारणा एवं महत्व

समावेशी शिक्षा हेतु शिक्षण अधिगम रणनीतियाँ

सरकार की भूमिका

समावेशी शिक्षा के प्रोत्साहन में शिक्षक, प्रबंधन, माता-पिता और समुदाय की भूमिका

पाठ-22 : प्रारंभिक पहचान एवं हस्तक्षेप

दिव्यांग बच्चे

प्रारंभिक पहचान का अर्थ एवं महत्व

प्रारंभिक हस्तक्षेप

सहयोगात्मक समावेशन हेतु सहायक तकनीकें

प्रयोगात्मक कार्य

अंक : 20

ईसीसीई पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल सैद्धान्तिक ज्ञान से शिक्षार्थियों को परिचित कराना है, बल्कि उन्हें ईसीसीई के वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने का अवसर भी प्रदान करना है। प्रयोगात्मक कार्यों में शामिल किए गए क्रिया-कलाप शिक्षार्थियों को उन कार्यों को करने की क्षमता प्रदान करते हैं, जिनका उन्हें सैद्धान्तिक (पुस्तकीय) ज्ञान होता है और इन गतिविधियों के द्वारा वे ईसीसीई केन्द्र के वास्तविक वातावरण की सराहना करते हैं। ये गतिविधि शिक्षार्थी को बच्चों को वास्तविक अनुभवों द्वारा समझने में सहायता करते हैं। सभी प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य हैं और शिक्षार्थियों को आवश्यक रूप से करना होता है। सभी गतिविधियाँ पाँच श्रेणियों में विभाजित की गयी हैं। शिक्षार्थियों को वार्षिक परीक्षा में पाँचों श्रेणियों में से प्रत्येक में एक परीक्षा देनी होगी।

ये गतिविधि इस प्रकार हैं–

क. अवलोकन

1) किसी बच्चों के अवलोकन के रिकार्ड का एक प्रारूप तैयार कीजिए। नीचे दिए गए क्रम के अनुसार अपने पड़ोस में परिवार के एक बच्चे या कई बच्चों का 20 मिनट तक अवलोकन कीजिए। प्रत्येक अवलोकन की डेढ़ सौ शब्दों में एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

- पाँच माह का शिशु : हासिल किये गये विकास के पड़ावों का अवलोकन कीजिए।
- बाहर खेलते हुए छोटे बच्चे : उन छोटे बच्चों ने दूसरे छोटे बच्चों के साथ कैसा वार्तालाप किया और किस प्रकार के खेल में भाग लिया, इसकी समीक्षा कीजिए।
- अन्दर खेले जाने वाले (इनडोर में 5 वर्ष का बच्चा) खेल : उनके वार्तालाप तथा खेल के प्रकारों की समीक्षा कीजिए।

ख. पारिवारिक मान्यताएँ (3 अंक)

1) किसी भी एक आयाम में विकास के बारे में छोटे बच्चे के माता-पिता का साक्षात्कार करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रश्नावली तैयार कीजिए।

2) पारिवारिक प्रथाओं की जानकारी एकत्र करने के लिए निम्नलिखित पर 10 प्रश्नों की एक सूची तैयार कीजिए–

(अ) शिशुओं तथा छोटे बच्चों की आहार पद्धति।

(ब) 4 से 5 वर्ष के बच्चों की देखभाल और उनकी दिनचर्या।

3) आपके पड़ोस या परिवार के बच्चों द्वारा खेले जाने वाले नवीन खेल और उनके द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले खेल उपकरणों की सूची तैयार कीजिए।

ग. विद्यालय अभिलेख (3 अंक)

1) पड़ोस के ईसीसीई केन्द्र जाएँ। वहाँ बच्चों और शिक्षकों द्वारा बनाए गये अभिलेखों का अध्ययन करें। अपने इस निरीक्षण की डेढ़ सौ शब्दों में एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

2) उपर्युक्त यात्रा के सम्बन्ध में अपने अवलोकन के आधार पर निम्नलिखित अभिलेख तैयार कीजिए:

- बाल संचयी अभिलेख/बाल प्रोफाइल रिकार्ड।
- बच्चे का प्रवेश अभिलेख (रिकार्ड)।
- बच्चे का पोर्टफोलियो।

घ. ईसीसीई केन्द्र में अवसंरचना एवं सुविधाएँ (3 अंक)

एक ईसीसीई केन्द्र की आवश्यक जरूरतों की त्वरित पूर्ति के लिए एक आकलन शीट तैयार कीजिए। उस शीट को लेकर निकटवर्ती किसी ईसीसीई केन्द्र जाकर निम्नलिखित का अवलोकन और आकलन कीजिए:

- स्थान प्रबंधन
- आउट डोर (बाह्य) खेल-उपकरण
- इनडोर (अन्त:) खेल उपकरण
- जल तथा शौचालय की सुविधाएँ
- वायु, प्रकाश और वातायन

ङ. ईसीसीई कर्मचारी एवं कार्यक्रम (3 अंक)

(1) स्टाफ के चयन हेतु लिए जाने वाले साक्षात्कार में पूछे जाने वाले प्रश्नों एक सेट तैयार कीजिए:

- शिक्षक
- केन्द्र-प्रभारी
- केन्द्र सहायक

(2) पड़ोस के पूर्व विद्यालय का भ्रमण और अध्ययन करने के बाद ईसीसीई केन्द्र के लिए एक तीन घण्टे का कार्यक्रम तैयार कीजिए, जिसे किसी प्री-स्कूल में लागू किया जाना है। (3 अंक)

	व्यावहारिक परीक्षा	अंक
1.	अवलोकन	03
2.	पारिवारिक मान्यताएँ	03
3.	विद्यालय अभिलेख	03
4.	ईसीसीई केन्द्र में अवसंरचना एवं सुविधाएँ	03
5.	ईसीसीई कर्मचारी एवं कार्यक्रम	03
6.	पोर्टफोलियो और मौखिकी (वाइवा वॉयस)	05 (3+2)
	कुल योग	20

मूल्यांकन योजना

परीक्षा	अंक	समय	प्रश्नपत्र
● सार्वजनिक परीक्षा	80	3 घण्टे	1
● प्रैक्टिकम (प्रायोगिक परीक्षा)	20	3 घण्टे	1
● अनुशिक्षक अंकित मूल्यांकन कार्य (टीएमए)	16 (लिखित परीक्षा का 20%)	स्व-निर्धारित	1